4. आप देखते होंगे कि कुछ कचड़ा आसानी से सड़–गल जाता है और कुछ कचड़ा बहुत दिनों तक नहीं सड़ता है। इसकी भी एक सूची बनाइए।

सड़नेवाला कचड़ा	नहीं सड़नेवाला कचड़ा
----------	----------
----------	----------
----------	----------
----------	----------
----------	----------

5. आप अपने घर से निकलने वाले कूड़े–कचड़े का निपटारा कहाँ करते है ?

_____

_____

6. कूड़े–कचड़े के निपटारे का सही तरीका क्या है ?

_____

_____

7. क्या आपने कूड़े–कचड़े के ढेर से कुछ लोगों को विभिन्न चीज़ों को इक्ट्ठा करते देखा है ? उन्हें ध्यान से देखिए और बताइए कि वे क्या–क्या इकट्ठा करते हैं?

---------- ---------- ----------

---------- ---------- ----------

8. इकट्ठा करने के बाद उन वस्तुओं का क्या किया जाता है? अपने शिक्षक से पता कर लिखिए।

_____

_____

_____

_____

9. क्या इन कचड़ों को पुनः उपयोग के लायक बनाया जा सकता है ?

_____

_____

10. कौन–कौन सी ऐसी सामग्री है, जिससे पुनः अन्य चीज़ें बनाई जा सकती हैं?

_____

_____

11. आप अपने आस–पास एवं विद्यालय को साफ–सुथरा रखने हेतु कौन–कौन से कार्य करेंगे ? लिखिए।

_____

_____

_____

12. कुछ खास पर्व–त्योहार के अवसर पर साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है। उस समय कूड़ा–कचड़ा कम दिखाई देता है। उनके नाम लिखिए।

_____

_____

कूड़े–कचरे का नियंत्रण

- कचड़ा उत्पन्न करनेवाली चीज़ों का कम उपयोग।
- बाजार से सामान लाने के लिए कपड़े के थैले का प्रयोग।
- दुबारा उपयोग में लाए जा सकनेवाली चीजों का पुनः उपयोग।
- गलने–सड़नेवाले कूड़–कचड़े को गड्ढे में डालकर मिट्टी से ढँक देना।
- घर एवं विद्यालय के कचड़े को डस्टबीन में एकत्र कर उचित जगह पर कूड़ादान या गड्ढा में डालना।
- पुनः चक्रण हेतु प्लास्टिक, पॉलिथिन, सीसा, लोहा, कागज आदि को एकत्रित करना।
- सब्ज़ियों के छिलके, बासी भोजन, चोकर, चावल के कण आदि जानवरों को देना।

बच्चों ने तय किया कि हम अपने घर, गली, एवं विद्यालय की सफाई मिल–जुलकर करेंगे।